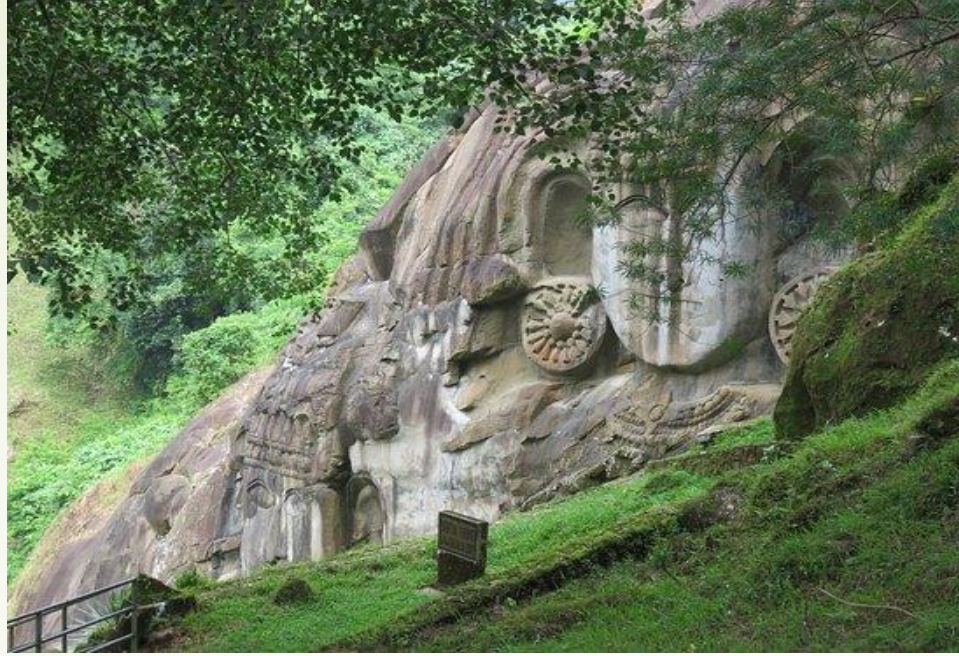


कल्लू कुम्हार की उनाकोटी लेखक – विक्रम सिंह





उनाकोटी का अर्थ है एक कम कोटि अर्थात एक करोड़ से कम। त्रिपुरा में एक स्थान का नाम उनाकोटी है एक दंतकथा के अनुसार यहां करोड़ में से एक मूर्ति कम है। इसी कारण इस स्थान का नाम उनाकोटी पड़ा था। यह काम कल्लू कुमार का बताया गया है। बताया जाता है विशाल ऋषि भगीरथ की प्रार्थना पर स्वर्ग से पृथ्वी पर गंगा का अवतरण हुआ। यह एक पौराणिक कथा है। गंगा के पृथ्वी पर उतरते समय कहीं पृथ्वी पाताल लोक में न चली जाए। इसके लिए एक उपाय सोचा गया। इस काम के लिए शिव को तैयार किया गया। उनसे कहा गया कि आप अपने सिर पर उतार कर अपनी जटाओं में उलझा ले फिर उसे धीरे-धीरे पृथ्वी पर उतारे।



हुआ भी ।यही कल्लू कुम्हार को उनाकोटी की मूर्तियों का निर्माता कहा जाता है ।वह पार्वती का भक्त था । शिव पार्वती के पास उनके निवास पर जाना चाहता था । शिव ने एक शर्त रखी कि उसे एक रात में एक करोड़ मूर्तियां बनानी पड़ेगी ।वह मूर्तियां बनाने में जुट गया जब मूर्तियां गिनी गईं तो एक मूर्ति कम निकली शिव को अपना पीछा छुड़ाने का मौका मिल गया ।वह कल्लू कुम्हार की वही मूर्तियों के साथ छोड़कर चलते बने ।

